

B.A. 5<sup>th</sup> Semester (Honours) Examination, 2020 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Paper : CC XI**

Time : 3 hours

Full Marks : 60

*The figures in the right hand margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

1. অধোনির্দিষ্টেষু প্রশ্নেষু যথেষ্টং ষট্ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ। তত্র যৎ কিঞ্চন দ্বিতয়ং সুরগিরা উপস্থাপ্যতাম্।  
(নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোন ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটির উত্তর সংস্কৃতে লেখ।)

5×6=30

- a. তং ত্বা গীর্ভির্গির্বিণসং  
দ্রবিণস্যুং দ্রবিণোদঃ  
স্পর্ষের্ম স্পর্ষর্বঃ।।—ইতি মন্ত্রস্য কোষ্ঠকে বৈদিকশব্দং প্রদায় বঙ্গভাষয়া অনুবাদ ইষ্যতে।  
(বঙ্কনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ কর।)
- b. যঃ পৃথিবীং ব্যর্থমানামৃদংহদ্  
যঃ পর্বতান্ প্রকুপিতা অরন্নাৎ।  
যো অস্তুরিষ্কং বিমমে বরীয়ো  
যো দ্যামস্ত্ভ্জাৎ স জনাস ইন্দ্রঃ।।—কোষ্ঠকে বৈদিকং শব্দং প্রদায় মন্ত্রোহয়ং বঙ্গভাষয়া অনুদ্যতাম্।  
(বঙ্কনীর মধ্যে বৈদিক শব্দ দেখিয়ে উক্ত মন্ত্রের বাংলায় অনুবাদ কর।)
- c. উপরিলিখিতয়োঃ (a)-(b)-স্থিতয়োঃ মন্ত্রয়োঃ কস্যচিদেকস্য স্বরঃ পদপাঠঃ প্রদর্শ্যতাম্।  
(উপরে (a)-(b) প্রশ্নে লেখা মন্ত্রদুটির যে কোন একটিকে স্বরচিহ্নের পরিবর্তনসহ পদপাঠে লেখ।)
- d. অহমেব স্বয়মিদং বদামি  
জুষ্ঠং দেবেভিরুত মানুষেভিঃ।  
যং কাময়ে তংতমুগ্রং কৃণোমি  
তং ব্রহ্মাণং তমৃষিং তং সুমেধাম্।।—ইতি ঋক্ ঋষিচ্ছন্দোদেবতানির্দেশপূর্বকং সায়ণভাষ্যোক্তদিশা  
সুরগিরা ব্যাখ্যেয়া। (আলোচ্য মন্ত্রটি ঋষি, ছন্দঃ ও দেবতা-নির্দেশপূর্বক সংস্কৃত ভাষায় সায়ণানুসারী  
ব্যাখ্যা কর।)
- e. 'তেন ত্যক্তেন ভুঞ্জীথাঃ-' ইতি মন্ত্রাংশঃ ভাষ্যোক্তদিশা সুরগিরা ব্যাখ্যেয়াঃ।  
(আলোচ্য মন্ত্রাংশটি সংস্কৃত ভাষায় ভাষ্যানুসারী ব্যাখ্যা কর।)

- f. याज्ञानुवाक्योरन्यतरः संसवशेचति पारिभाषिकशब्दद्वयं सुरगिरा व्याख्येयम्।  
(याज्ञा अथवा अनुवाक्या एवं संसव—एइ दुटि पारिभाषिक शब्द संस्कृते व्याख्या कर।)
- g. पदपाठे अवग्रहस्य प्रयोगान् सोदाहरणं पर्यालोचयत।  
(पदपाठे अवग्रहस्य प्रयोगसमूह उदाहरणसह पर्यालोचना कर।)
- h. देवीसूक्तस्य महिमा भवदधीतवेदभागमाधारीकृत्य वर्णनीयः। (देवीसूक्तस्य महिमा पाठ्यानुसारी व्याख्या कर।)
2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु यथाकामं प्रश्नत्रयम् समाधेयम्। (नीचेर प्रश्नकुलिर मध्ये ये कोन तिनटिर उक्तर दाओ।)  
10×3=30
- a. असमापिकाक्रियायाः वैदिकप्रयोगविषये निबन्धो विरचनीयः।  
(वैदिक असमापिका क्रियायाः प्रयोग अवलम्बने एकटि निबन्ध लेख।)
- b. ऋशोपनिषदि आम्नातं विद्याविद्यायोः तात्पर्यं यथायथं पर्यालोच्यताम्।  
(ऋशोपनिषदे वर्णित विद्या एवं अविद्यायाः तात्पर्य पर्यालोचना कर।)
- c. ऋशोपनिषदमुपजीव्य मुमूर्षुसाधकस्य अन्तिमा प्रार्थना विचार्यताम्।  
(ऋशोपनिषदे वर्णित मुमूर्षु व्यक्तिस्य शेष इच्छा की?)
- d. 'तदेजति तन्नैजति तद्दूरे तद्वस्तुके' इत्यादिमन्त्रस्य गुटार्थः निरूपणीयः।  
(उक्त मन्त्रस्य प्रकृत तात्पर्य विश्लेषण कर।)
- e. अम्कसूक्तस्य ऋषिर्नाम किम्? अप्मिन् सूक्ते कितवस्य दुर्दशा मन्त्रोद्धरणपूर्वकं वर्णनीया।  
(अम्कसूक्तस्य ऋषिस्य नाम लेख। एइ सूक्ते सोदाहरण कितवस्य दुर्दशा वर्णना कर।)
-